भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4345 का उत्तर

मुंबई-पालघर जिले के निकट रेल संपर्क

4345. डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार मुंबई-पालघर जिले के निकटवर्ती क्षेत्रों, विशेषकर ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में रेल संपर्क बढ़ाने की योजना बना रही है, जिससे कि आवागमन और आर्थिक विकास को आसान और सुविधाजनक बनाया जा सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) पालघर जिले में प्रस्तावित रेल परियोजनाओं, जिसमें समर्पित माल गलियारा और कोई नई यात्री रेलवे लाइन शामिल हैं, की स्थिति संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार/केंद्र शासित प्रदेश-वार/जिला-वार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य/केंद्र शासित प्रदेश/जिले की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाएं लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम स्थान तक पहुंच संपर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों एवं वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के विस्तार, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक

आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड तथा धन की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 81,580 करोड़ रुपए की लागत से 5,877 किलोमीटर कुल लंबाई की 41 रेल परियोजनाएं (16 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 23 दोहरीकरण), जो योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1,926 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 31,236 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है।

कार्य की स्थिति संक्षेप में निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की सं.	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	16	2,017	166	8,529
आमान परिवर्तन	2	609	312	3,332
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	23	3,251	1,448	19,376
कुल	41	5,877	1,926	31,236

2009-14 और 2014-2024 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाले खंडों (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) की कमीशनिंग का विवरण निम्नानुसार हैः-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	292 कि.मी.	58.4 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-24	1,830 कि.मी.	183 कि.मी. प्रति वर्ष (3 गुना से अधिक)

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और अन्य निर्माण कार्यों के लिए औसत बजट आबंटन निम्नानुसार है :-

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2024-25	15,940 करोड़ रु. (13 गुना से अधिक)

इसके अलावा, पालघर सहित मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में सम्पर्कता को बेहतर बनाने के लिए, 8,087 करोड़ रुपए की लागत वाली मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट-II, 10,947 करोड़ रुपए की लागत वाली मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट-III और 33,690 करोड़ रुपए की लागत वाली मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट-III ए को मंजूरी दी गई है, ताकि यात्रियों की भविष्य की मांगों को पूरा किया जा सके। इन परियोजनाओं में मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में निम्नलिखित रेल संपर्क शामिल हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	छठी लाइन मुंबई सेंट्रल-बोरीवली (30 कि.मी.)	919
2	हार्बर लाइन का विस्तार गोरेगांव-बोरीवली (7 कि.मी.)	826
3	विरार-दहानू रोड तीसरी और चौथी लाइन (64 कि.मी.)	3587
4	पांचवीं और छठी लाइन सीएसटीएम-कुर्ला (17.5 कि.मी.)	891
5	पनवेल-कर्जत उपनगरीय कॉरिडोर (29.6 कि.मी.)	2782
6	ऐरोली-कलवा (एलिवेटेड) उपनगरीय कॉरिडोर लिंक (3.3 कि.मी.)	476
7	पांचवीं और छठी लाइन बोरीवली-विरार (26 कि.मी.)	2184
8	कल्याण-आसनगांव के बीच चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1759
9	कल्याण-बदलापुर के बीच तीसरी और चौथी लाइन (14.05 कि.मी.)	1510
10	कल्याण यार्ड-मुख्य लाइन और उपनगरीय का पृथक्करण	866

इसके अतिरिक्त, नायगांव और जूचंद्र (5.73 कि.मी.) के बीच वसई बाई पास लाइन (दोहरी लाइन) के निर्माण को 175.99 करोड़ रुपए की लागत पर स्वीकृत किया गया है।

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल से दादरी (1506 कि.मी.) तक का पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारा भी पालघर जिला से होकर गुजरता है। वैतरणा से दादरी (1404 कि.मी.) तक का कार्य पूरा हो चुका है और वैतरणा से जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल के 102 कि.मी. खंड में कार्य शुरु किया जा चुका है।

इसके अलावा, मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (508 कि.मी.) पालघर जिले से होकर गुजरती है, और इसके दो स्टेशन अर्थात् विरार और बोइसर पालघर जिले में होंगे।

****